RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

# नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 02
अंक : 004
दि. 04.05.2026, सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मिशन दृष्टि'को अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की प्रमुख उपलब्धि बताया

**प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह मिशन 'दृष्टि'के प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त की**

**गैलेक्सी आई का 'मिशन दृष्टि' सफलतापूर्वक लॉन्च, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई**

(जीएनएस)।

बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसकी मदद से प्रतिकूल मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से गैलेक्सी आई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'गैलेक्सी आई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। गैलेक्सी आई के संस्थापकों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।'

रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टी स्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) इमेजर लगा हुआ है।

दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) को संयोजित करने वाली तकनीक है। परंपरागत रूप से उपग्रह या तो ऑप्टिकल सेंसर या फिर रडार पर निर्भर करते हैं। ऑप्टिकल सिस्टम तस्वीरों के समान विस्तृत और कलर्ड फोटो कैप्चर करते हैं, लेकिन बादल छाए रहने और अंधेरे से ये जमीनी तस्वीर स्पष्ट नहीं मिलती। दूसरी ओर, रडार सिस्टम बादलों के पार देखने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं और रात में भी काम करते हैं, हालांकि वे आमतौर पर कम स्पष्ट छवियां उत्पन्न करते हैं।

ऑप्टो सार एक ही उपग्रह में दोनों तकनीकों को एकीकृत करके इस अंतर को पाटता है। यह एक ही बार में ऑप्टिकल और रडार डाटा को एक



साथ कैप्चर करता है, फिर आउटपुट को एक एकीकृत छवि में मिला देता है। परिणामस्वरूप हर मौसम में बादलों के रहते हुए भी पृथ्वी की अत्यंत विस्तृत तस्वीरें मिल सकेंगी। यह भारत के सबसे उच्च-रिजॉल्यूशन वाले उपग्रहों में से एक है।

इस सफल प्रक्षेपण से भारत की अंतरिक्ष यात्रा में वैश्विक साझेदारियों की बढ़ती भूमिका उजागर होती है। स्पेसएक्स की प्रक्षेपण सेवाओं का लाभ उठाकर, भारतीय स्टार्टअप अत्याधुनिक पेलोड विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कक्षा तक तेजी से और अधिक लचीली पहुंच प्राप्त कर रहे हैं।

मिशन दृष्टि भारत के अंतरिक्ष परिदृश्य में एक बदलाव का संकेत देता है, जो काफी हद तक सरकार के नेतृत्व से हटकर निजी नवाचार द्वारा संचालित अधिक गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र की ओर अग्रसर है। जैसे-जैसे गैलेक्सी आई उपग्रह की डाटा क्षमताओं को चालू करने की तैयारी कर रहा है, यह मिशन पृथ्वी पर नजर रखने के तरीके को फिर से परिभाषित कर सकता है, जिससे समय या मौसम की परवाह किए बिना स्पष्ट और अधिक विश्वसनीय जानकारी मिल सकेगी।(

# बंगाल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में किसकी बनेगी सरकार? आज सामने होंगे चुनावी नतीजे

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में किसकी सरकार बनने जा रही है, इसके बारे पता अब से थोड़ी देर बाद चलेगा, जब चुनावी नतीजे सामने आएंगे। आपको बता दें कि असम की 126, केरल की 140पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक चरण में 9 अप्रैल को मतदान हुए थे तो वहीं, तमिलनाडु की 234 सीटों पर भी एक ही फेज में 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर दो चरणों में वोटिंग हुई थी. इसके बाद एग्जिट पोल के सर्वे में चौंकाने वाले अनुमान सामने आए हैं लेकिन असल रिजल्ट आज आएंगे, मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू होगी, जिसके लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पल-पल के अपडेट के लिए पेज की रीफ्रेश करते रहें।

असम - लगभग 86% मतदान केरल - 78.27% पुडुचेरी - करीब 89% तमिलनाडु - लगभग 85% पश्चिम बंगाल - 93.19%

चेन्नई के लोयोला कॉलेज में बनाए गए मतगणना केंद्र पर सुरक्षा

के कड़े इंतजाम किए गए हैं, जहाँ आज विधानसभा की कई अहम सीटों के वोटों की गिनती होगी।

पश्चिम बंगाल की मुर्ख् यमंत्री ममता बनर्जी ने मतगणना से पहले संभावित अनियमितताओं को लेकर सतर्क रहने की अपील की है. अपने एक्स पर लिखा कि 'अलग-अलग जगहों से ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं जिनसे पता चलता है कि इखढ जान-बूझकर बिजली कटौती करवा रही है। हुगली के श्रीरामपुर से लेकर नदिया के कृष्णानगर, बर्दवान के ऑसग्राम और कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र तक—हर जगह ऐसी घटनाएँ सामने आ रही हैं। बिजली गुल करके उउळश कैमरों को बंद किया जा रहा है, और स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर-बाहर गाड़ियाँ आती-जाती दिख रही हैं। ममता बनर्जी ने अपने पार्टी कार्यकताओं को सलाह दी कि वे सतर्क रहें और हर चीज पर कड़ी नजर रखें। जिस तरह मैं हर चीज पर नजर रखने के लिए पूरी रात जाग रही हूँ, उसी तरह आप भी पूरी रात जागते रहें और स्ट्रॉन्ग रूम में लोगों के वोटों की पहरेदारी करें। अगर कोई भी कहीं भी कोई संदिग्ध स्थिति पैदा करता है, तो उसे तुरंत घेर लें और औपचारिक शिकायत दर्ज करवाएँ।'

बंगाल में आज केवल 77 मतगणना केंद्रों पर वोटों की गिनती होगी क्योंकि दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान 21 मई को होना इसलिए वहां का रिजल्ट बाद में घोषित होगा।

मतगणना की शुरूआत पहले पोस्टल बैलेट से होती है, जिसे सर्विस वोटर, इलेक्शन स्टाफ और दिव्यांग लोग डालते हैं। इनकी गिनती सबसे पहले की जाती है और इन्हें ऑफिशियली रिकॉर्ड किया जाता है।

पोस्टल बैलेट के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (एश्ट) पर डाले गए वोटों की गिनती शुरू होती है।जो आमतौर पर लगभग 30 मिनट बाद होती है।

# दिल्ली अग्निकांड पर पीएम मोदी और अमित शाह ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये के मुआवजे का एलान

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। राजधानी के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इस हादसे को बेहद दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के शाहदरा में आग की घटना में लोगों की मौत अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष ढटठफ्रऋसे मुआवजे का भी ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

**गृहमंत्री ने भी जताया शोक**

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अ‍ेइ रँ ने भी हादसे पर दुख जताया है। सोशल साइट एक्स पर पोस्ट साढा करते हुए उन्होंने कहा, "दिल्ली के विवेक विहार में हुई आगजनी की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, मेरी संवेदनाएँ उनके साथ हैं। ईश्वर शोक-संतप्त परिवारों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। स्थानीय प्रशासन घायलों को सर्वोच्च चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

**क्या है पूरा मामला?**

गौरतलब है कि, शाहदरा के विवेक विहार में स्थित एक चार मंजिला इमारत में रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि तीसरी मंजिल पर एक कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बिल्डिंग में धुआं फैल गया। इस हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

## चलते विमान का इमरजेंसी दरवाजा खोलकर यात्री ने क्यों लगाई छलांग? कौन है वो शख्स?

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार (3 मई 2026) तड़के एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे एयरपोर्ट को हिलाकर रख दिया। शारजाह से आई एयर अरेबिया की फ्लाइट टैक्सीवे पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही



थी। लैंडिंग हो चुकी थी, विमान पार्किंग बे की ओर जा रहा था, लेकिन अचानक एक यात्री ने आपातकालीन निकास दरवाजा खोल दिया और सीधे नीचे कूद गया।

विमान में सवार 231 यात्रियों और क्रू मेंबर्स के बीच अफरा-तफरी मच गई।

# 'चाचा-भतीजे की जोड़ी भर्तियों में करती थी वसूली, अब पूरी प्रक्रिया ट्रांसपेरेंट'; सीएम योगी का सपा पर तंज

लखनऊ। (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौ वर्ष के कार्यकाल में रिकार्ड नौ लाख सरकारी नौकरी देने का दावा करते हुए पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार पर जमकर हमला बोला। नव चयनित दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों और औषधि विश्लेषकों को रविवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि 'आपके बीच में चयन आयोग के चेयरमैन बैठे हैं, किंतु उन्हें कोई नहीं पहचान सकता, जबकि सपा के कार्यकाल में चाचा भतीजा की पर्ची से नियुक्तियां करनी पड़ती थीं।'

उन्होंने कहा कि बेईमान नेताओं को चयन प्रक्रिया में रोकना होगा। चेताया कि अगर किसी ने नियुक्तियों की धांधली की तो उसकी सम्पत्ति जब्त करने के साथ ही आजीवन कारावास भी होगा।

**प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज और दो एम्स**

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रदेश में 81 मेडिकल कालेज और दो एम्स हैं। नए नर्सिंग कालेज खुल रहे हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी बहुत ज्यादा थी, जिसे पुलिस नहीं रोक सकती। विभाग के पास पर्याप्त जांच लैब और उपकरण नहीं थे। जांच के परिणाम आने में वर्षों लगते थे। दूध, मसालों, तेल व मिठाइयों में मिलावटखोरी खत्म करने के लिए प्रशासन लगातार छापेमारी



कर रहा है। कहा कि आज औषधि की गुणवत्ता जांचने के लिए हर मंडल में लैब है।

ड्रग जांच की लैब पांच से बढ़कर 18 तक पहुंच गई है। ड्रग लैबों की जांच क्षमता प्रति वर्ष 12 हजार से बढ़ाकर 55 हजार सैंपल कर दी गई है। 327 नए औषधि विश्लेषक भर्ती किए गए हैं। पहले इनकी संख्या 44 थी, जो अब 401 तक पहुंच गई है। सीएम ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी जांचने वाली लैबों की संख्या छह से बढ़कर 18 हो गई है।

इन लैबों में प्रति वर्ष 36000 सैंपल जांचने की क्षमता थी, जो बढ़कर 1.08 लाख सैंपल कर दी गई है। खाद्य विश्लेषकों की वर्तमान संख्या 58 है। 417 पदों के लिए प्रदेश लोक सेवा आयोग जल्द ही भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। योगी ने कहा कि दांत खराब तो सब स्वाद नष्ट हो जाता है। अब डेंटल हाइजीनिस्ट भी नियुक्त किए गए हैं। कहा कि दंगामुक्त और अपराधमुक्त प्रदेश में निवेशक तेजी से आ रहे हैं।

**17 विदेशी फार्मा कंपनियों ने निवेश पर दी सहमति**

पिछले दिनों 17 विदेशी फार्मा कंपनियों ने निवेश पर सहमति दी। बड़ा उद्योग साथ में कई छोटी इकाइयां लेकर आएगा। रोजगार बढ़ेगा।

सीएम ने आगे कहा कि केवल पुलिस में ही दो लाख से ज्यादा भर्तियां की गईं। पहले की सरकार में छोटी सोच, छोटा काम था। कहा कि 2025 में 60 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। यूपी ने अपनी ट्रेनिंग सेंटर की क्षमता भी विकसित कर लिया। अधीनस्थ आयोग इस साल 25 हजार और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 15 हजार भर्तियां करेगा।

पुलिस भर्ती बोर्ड 45 हजार की भर्ती की प्रक्रिया कर रहा। सीएम ने कहा कि वर्ष 2026-27 में डेढ़ लाख भर्तियां संपन्न करने का लक्ष्य है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री दया शंकर मिश्र दयालु, मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य अमित घोष, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग एम देवराज, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की सचिव एवं आयुक्त रोशन जैकब आदि उपस्थित थे।

# 'अंधेरे में स्ट्रॉन्ग रूम में घुस रही गाड़ियां,' ममता बनर्जी का भाजपा पर बिजली काटने जैसे गम्भीर आरोप लगाये

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों से पहले सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। वोटों की गिनती से पहले ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में जानबूझकर बिजली काटी जा रही है ताकि स्ट्रॉन्ग रूम के आसपास संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने कार्यकताओं को अलर्ट करते हुए कहा कि हुगली के श्रीरामपुर, नदिया के कृष्णानगर, बर्धमान के औसग्राम और कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र जैसे इलाकों से बिजली कटौती (लोड शेडिंग) की खबरें आ रही हैं।

उनका आरोप है कि अंधेरे का

फायदा उठाकर स्ट्रॉन्ग रूम के पास वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है और सीसीटीवी कैमरों को निष्क्रिय किया जा रहा है। ममता ने कार्यकताओं से कहा, 'जिस तरह मैं रात भर जागकर नजर रख रही हूं, आप भी वैसे ही जागें और जनता के वोटों की रखवाली करें। कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत शिकायत दर्ज कराएं और घेराव करें।'

पश्चिम बंगाल में इस बार लोकतंत्र का उत्सव अपने चरम पर रहा। आजादी के बाद पहली बार राज्य में 92% से अधिक रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। राज्य की 293 सीटों पर दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल) में वोट डाले गए। सबकी नजरें भवानीपुर सीट पर टिकी हैं, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सीधा मुकाबला विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी से है। जहां टीएमसी जीत का चौका लगाने की तैयारी में है, वहीं बीजेपी को इस बार पूर्ण बहुमत के साथ 'कमल' खिलने की उम्मीद है।

आज 5 राज्यों के नतीजों का दिन

आज सुबह 8 बजे से केवल पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी समेत कुल 824 सीटों के लिए मतगणना शुरू होगी।

# जनआंदोलन के रूप में एक दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर यूपी फिर बनाएगा रिकॉर्ड : मुख्यमंत्री

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत जन-अभियान के रूप में विकसित किया जाए।**

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस वर्ष एक दिन में 35 करोड़ पौधरोपण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा है कि विगत वर्षों में जनभागीदारी से प्रदेश ने वृक्षारोपण में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और अब इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। रविवार को वृहद पौधरोपण अभियान-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने आ'ान किया कि 'एक पेड़ मां के नाम'अभियान के तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में न्यूनतम 05 सहजन के पौधे लगाए जाएं, जबकि स्कूल-कॉलेजों में हर छात्र कम से कम एक पौधा लगाए।

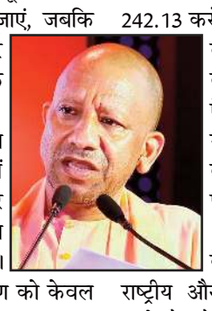

मुख्यमंत्री ने गंगा एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत जन-अभियान के रूप में विकसित किया जाए।



बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पिछले वर्षों में वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2009 से 2016 के बीच जहां 51.48 करोड़ पौधे लगाए गए थे, वहीं वर्ष 2017 से 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर 242.13 करोड़ हो गई। इसी अवधि में वन एवं वृक्ष आवरण में 3 लाख 38 हजार एकड़ की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है और हरित आवरण लगभग 9.96 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

कार्बन स्टॉक में वृद्धि के मामले में भी प्रदेश राष्ट्रीय औसत (1.13 प्रतिशत) से आगे है और 2.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हरित क्रांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत और 2047 तक 20 प्रतिशत हरित आवरण का लक्ष्य हर हाल में हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्ष 2026 के अभियान को पूरी तरह वैज्ञानिक, योजनाबद्ध और परिणामोन्मुख बनाया जाए। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग को अभियान की आधारशिला बताते हुए ग्रामीण और शहरी स्तर पर तैयार सभी माइक्रो प्लानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा।

**पौधों की गुणवत्ता और उपलब्धता पर जोर**

मुख्यमंत्री ने पौधों की गुणवत्ता और उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी विभागों को वन विभाग की नर्सरियों से निःशुल्क एवं उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराए जाएं।

# लखनऊ में पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने की आत्महत्या, पांच के खिलाफ केस दर्ज

**लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र में 28 वर्षीय युवक प्रशांत सिंह ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली।**

लखनऊ, निगोहां। नगराम थाना क्षेत्र के अमेठियन पुरवा गांव में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 28 वर्षीय युवक ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव निवासी अशोक सिंह के पुत्र प्रशांत सिंह के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि प्रशांत ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता अशोक सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को उसकी पत्नी ममता सिंह उर्फ रूचि, उसकी दो बहनों रूबी सिंह व बब्बी सिंह, तथा ससुर राजकरन सिंह और सास श्याम कुमारी सिंह द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

उन्होंने इस संबंध में थाना नगराम में तहरीर देकर सभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। सभी आरोपी बलरामपुर जनपद के थाना गैडास बुजुर्ग क्षेत्र के दुधरा गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक अपने पीछे दो मासूम बच्चों 7 वर्षीय हार्दिक और 4 वर्षीय यश को छोड़ गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# लखनऊ के लिए एक बस, वह भी खस्ताहाल

उन्नाव, सफीपुर (जीएनएस)।। कस्बे से लखनऊ जाने वाली एकमात्र रोडवेज बस खस्ताहाल होने से अक्सर खराब हो जाती है। इससे आए दिन खराबी आने से बस का आवागमन बंद रहता है और यात्रियों को अन्य वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। व्यापारियों ने अन्य का संचालन कराए जाने की मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाओं और उच्च न्यायालय संबंधी कार्यों के यात्रियों के अलावा कस्बे से लेकर गांव तक फैले जरदोजी कारीगर लखनऊ बाजार पर ही आश्रित हैं। इन लोगों को लखनऊ तक पहुंचाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा सुबह 6.30 बजे पर एक बस चलाई जाती है। हालांकि यह बस काफी पुरानी है। खराबी के कारण शनिवार को भी बस का संचालन ठप रहा। इससे यात्रियों को अन्य सवारी वाहनों का सहारा लेकर लखनऊ का आवागमन करना पड़ा।

एआरएम जीसी वर्मा ने बताया कि मामले को दिखवाया जाएगा। बस को सही कराकर नियमित संचालन शुरू कराया जाएगा। वहीं क्षेत्र के लिए दूसरी बस संचालन को उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा जाएगा।

**परिवहन विभाग वैकल्पिक रूप से दूसरी व्यवस्था करे**

क्षेत्र के अतहा गांव निवासी सिद्धार्थ दीक्षित ने बताया कि निर्धारित समय पर अचानक बस का न जाना बड़ी समस्या है। परिवहन विभाग वैकल्पिक दूसरी व्यवस्था कराकर यात्रियों को राहत दे।

**दूसरे सवारी वाहन का लेना पड़ा सहारा**

कस्बे के मोहल्ला सैय्यदवाड़ा निवासी फरीद मुमताज ने बताया कि लखनऊ जाने के लिए निर्धारित समय पहुंचे पर अचानक बस न जाने की सूचना पर दूसरे सवारी वाहन के माध्यम से मियागंज जाने को मजबूर होना पड़ा।

# लखनऊ में रेलवे अधिकारी पर खूंखार बंदर का हमला, घर के शीशे टूटे; परिवार घर में कैद रहने को मजबूर

**लखनऊ के पाठक पुरम में एक आक्रामक बंदर ने रेलवे अधिकारी श्याम जी यादव पर हमला कर उन्हें काट लिया, जिससे उनके परिवार को घर में बंद रहना पड़ा।**

लखनऊ। (जीएनएस)। रायबरेली रोड स्थित पाठक पुरम में बंदरों का आतंक खतरनाक रूप लेता जा रहा है। यहां रहने वाले रेलवे अधिकारी श्याम जी यादव पर रविवार एक उग्र बंदर ने उस समय हमला बोला जब वह पोर्च में खड़े थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

श्याम जी यादव ने बताया कि वह छुट्टी के चलते घर पर थे। किसी काम से बाहर जाने के लिए जैसे ही घर के पास खड़ी कार के पास पहुंचे, अचानक एक बंदर ने उन पर झपट्टा मार दिया। बचने के लिए वह कमरे की ओर भागे, लेकिन बंदर ने पीछा करते हुए उन पर हमला कर और एक एक कर तीन बार पैर में काट लिया। बंदर के इस तरह हमले से घबराकर श्याम और उनका परिवार अपने को कमरे में बंद कर लिया काफी देर तक बंदर फिर भी दरवाजे

के बाहर बैठा रहा, जिससे वे बाहर नहीं निकल सके कुछ देर बाद जब बंदर गेट के पास नहीं दिख तो पड़ोसी की मदद से श्याम हेलमेट लगा हाथ में डंडा लेकर बाहर निकले और कार से अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया।

श्याम का कहना है कि इलाके में पिछले कई दिनों से बंदर घूम रहा था, लेकिन उसके इतने आक्रामक होने का अंदाजा नहीं था। पहले उन्होंने पड़ोस में रहने वाले बी एन यादव के ऊपर हमला किया, लेकिन उन्होंने बचने के लिए तुरंत खिड़की को बंद किया, लेकिन बंदर के हमले से शीशा ही टूट गया।

पीड़ित श्याम ने वन विभाग से बंदर को जल्द पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी और के साथ ऐसी घटना न हो। श्याम ने बताया कि बंदर के इस रवैया से परेशानी क्षेत्र के लोगों को भी है, लेकिन एक बड़ी परेशानी यह है कि हमारे घर में लगभग 1500 स्क्वायर फीट में बागवानी की जाती है, जिसमें गौरैया से लेकर अन्य प्रजाति के पंछियों का बसेरा भी है कई पक्षियों घोंसला बनाकर अंडे भी दे रखे हैं। बच्चे भी अंडे से निकल आए हैं। यह चिंता सता रही है कि कहीं ये पंछी परेशान ना हो जाए या फिर यह उग्र बंदर उन घोसलों को ना तोड़ दे।

# लखनऊ ग्रीन रेस में 1500 लोग दौड़े, बारीश से जोश हुआ हाई, 3.5 किलोमीटर रेस लगाई

**एलडीए ने पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन रन का आयोजन किया था.**

लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) की ओर से रविवार को आयोजित ग्रीन रन में लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. सुबह पांच बजे बारिश से मौसम खुशनुमा हुआ, तो फिटनेस का जोश दोगुना हो गया. ठंडी हवा के बीच भीगी सड़क पर लोग चेहरे पर मुस्कान लेकर दौड़े और ग्रीन कॉरिडोर पर हुयी यह पहली फन रेस लखनऊ के लिए यादगार बन गयी.

एलडीए ने पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन रन का आयोजन किया था. जिसमें ग्रीन कॉरिडोर पर झूलेलाल वाटिका से न्यू डालीगंज ब्रिज के बीच 3.5 किलोमीटर (5,000 स्टेप) की रेस हुयी. इसमें प्रतिभाग करने के लिए 1500 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया और दौड़ में हिस्सा लिया. बड़ी संख्या में लोग मौज-मस्ती के लिए जुटे. फिल्मी गानों और फ्यूजन म्यूजिक पर खूब थिरके.

सत्यम और स्नेहा ने मारी बाजी : सुबह 6:00 बजे फ्लैग ऑफ के साथ ग्रीन रन की शुरूआत की गयी. चार श्रेणियों में हुयी इस रेस में 18 से 30 वर्ष श्रेणी में सुमित ने प्रथम, रमेश ने

द्वितीय और सुनील ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. वहीं, 30 से 50 वर्ष श्रेणी में अजय अव्वल रहे, जबकि मयंक अवस्थी द्वितीय और राघवेन्द्र तृतीय स्थान पर रहे. 50 वर्ष व उससे अधिक आयु वर्ग में आदेश ने प्रथम, आदित्य ने द्वितीय और अजय कुमार टंडन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. युगल श्रेणी में सत्यम-स्नेहा ने बाजी मारी, जबकि श्रेयश-स्नेहा द्वितीय और ध्रुव-चन्द्रा तृतीय स्थान पर रहे.

हर तरफ दिखा उत्साह : ग्रीन रन का रोमांच कुछ ऐसा था कि किसी को हार और जीत की फिक्र नहीं थी. विजेता प्रतिभागी जीत पर खुश थे तो बाकी प्रतिभागी इस भव्य आयोजन का उत्सव मना रहे थे. एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व सचिव विवेक श्रीवास्तव ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. वहीं, रेस में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट व मेडल प्रदान किये गये.

सोशल मीडिया पर दिखा ट्रेंड : एलडीए की इस ग्रीन रन का सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड देखने को मिला. कार्यक्रम में आये युवाओं ने खूब सेल्फी ली, उमंग और उत्साह से भरे वीडियो रिकॉर्ड किये और सोशल मीडिया पर पोस्ट किये. कार्यक्रम में प्रतिभागियों की सहूलियत का पूरा ध्यान रखा गया. रेस के रूट पर चार स्थानों पर हाइड्रेशन प्वाइंट बनाये गये थे. सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल व चिकित्सकों की टीम एम्बुलेंस के साथ मौजूद रही.

# रायपुर से लखनऊ आ रही गरीब रथ में सीट पर गिरा एसी का डक्ट, चलती ट्रेन में हादसा होने से सहमे मुसाफिर

**अपनी सीट पर चादर बिछाकर बैठने ही वाले थे कि ऊपर से एसी डक्ट नीचे गिर गया। कोच में मौजूद अन्य यात्री भी दहशत में आ गए।**

(जीएनएस)।

लखनऊः रेलवे के मेंटेनेस के दावों की एक बार फिर पोल खुल गई है। रायपुर से लखनऊ आ रही गरीब रथ एक्सप्रेस (12536) के एसी कोच में उस वक्त बड़ा हादसा बच गया, जब छत से सीधे एसी का डक्ट यात्री की सीट पर आ गिरा। गनीमत रही कि यात्री बाल-बाल बच गया, लेकिन इस घटना ने ट्रेनों की सुरक्षा और रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है।

यात्री अनिवेश विशेष चतुवेर्दी (पीएनआरः 6702971818) ने कहा कि वह अपनी सीट पर चादर बिछाकर बैठने ही वाले थे कि अचानक भारी-भरकम एसी डक्ट नीचे गिर गया। इस अचानक हुए हादसे से कोच में मौजूद अन्य यात्री भी दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर मेटेनेस कर्मियों ने आकर डक्ट को किसी तरह ठीक किया, लेकिन पूरे सफर के दौरान यात्री खौफ के साए में रहे। रेलवे ने अब इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

**प्रीमियम ट्रेनों का भी बुरा हाल**

पुष्पक एक्सप्रेस (12533): कोच बी-2 के यात्रियों ने शिकायत की कि एसी काम नहीं करने की वजह से कोच स्लीपर जैसा तप रहा था। रेल मदद' पर शिकायत के बावजूद सिर्फ रेफरेंस नंबर मिला, राहत नहीं।

**ट्रेन खा गई एक दिन की छुट्टी**

सिवान के बादशाह सिंह नई दिल्ली में प्राइवेट जॉब करते हैं। पारिवारिक आयोजन में गांव गए थे। उनको शनिवार को ऑफिस जॉइन करना था। सभी नियमित ट्रेनों में 60 दिन पहले ही टिकट बुक हो गए थे। किसी तरह उन्होंने 02563 नई दिल्ली स्पेशल में टिकट लिया। ट्रेन को शनिवार की सुबह 05:10 बजे पहुंचना था, लेकिन यह शाम को 04:44 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंच पाई। इसकी वजह से बादशाह सिंह को अपनी एक अतिरिक्त छुट्टी गंवानी पड़ी।

**लखनऊ एयरपोर्ट की 'सिक्योरिटी' पर उठे सवाल**

राजधानी के अमौसी एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षा में अब पशु-पक्षी बड़ा रोड़ा साबित हो रहे हैं। हाल ही में रनवे पर फ्लाइट के ठीक सामने एक बंदर के आ जाने से एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए है। इससे पहले भी रनवे के पास कुत्तों के घुसने की घटनाएं सामने आ चुकी है, जिससे विमानों का संचालन प्रभावित हुआ था। एयरपोर्ट सुरक्षा मानकों के तहत रनवे और आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह 'एनिमल फ्री जोन बनाए रखना अनिवार्य होता है। इसके लिए नियमित पेट्रोलिंग, फेंसिंग की निगरानी और वन्यजीव नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

शाम के वक्त 'स्पेशल पहरा'

रनवे पर किसी भी जानवर या पक्षी का आना एक बड़े विमान हादसे का कारण बन सकता है। इससे पल भर में सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में पड़ सकती है। इस खतरे की गंभीरता को देखते हुए अब एयरपोर्ट प्रशासन ने शाम के बाद रनवे पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार को भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

**ठंडे बस्ते में कार्रवाई**

कमिटी ने एयरपोर्ट के आसपास से मास की दुकानों को हटाने के निर्देश दिए थे। शुरूआत में कुछ एक्शन जरूर हुआ, लेकिन अब कमिटी सुस्त पड़ चुकी है और मास की दुकाने धडल्ले से चल रही है।

**निजी प्रबंधन को चपत**

अमौसी एयरपोर्ट का प्रशासन निजी हाथों में है। पशु-पक्षियों के रनवे पर आने से फ्लाइट्स के संचालन का शेड्यूल बिगड़ रहा है, जिससे ऑपरेटर को सीधा आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है।

# लखनऊ में पार्श्वनाथ प्लाजा में युवती ने 11वीं मंजिल से लगाई छलांग, समिट बिल्डिंग के सामने की घटना

(जीएनएस)।

लखनऊ के विभूतिखंड स्थित पार्श्वनाथ प्लाजा की 11वीं मंजिल से एक 22 वर्षीय युवती शिवांशी पाल ने छलांग लगा दी, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।. सूचनानुसार समिट बिल्डिंग के सामने स्थित पार्श्वनाथ प्लाजा की 11वीं मंजिल से रविवार देर शाम एक युवती ने छलांग लगा दी। घटना के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को एंबुलेंस से लोहिया संस्थान भेजकर भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली थी कि एक युवती प्लाजा से कूद गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि युवती ने बाथरूम की बालकनी से छलांग लगाई थी। घायल अवस्था में उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के समय युवती के साथ उसकी सहकर्मी अंजली सिंह भी मौजूद थीं।

घायल युवती की पहचान 22 वर्षीय शिवांशी पाल के रूप में हुई है। वह वर्तमान में सुरेंद्रनगर क्षेत्र में रह रही थीं, जबकि मूल रूप से रायबरेली रोड स्थित खरगापुर की निवासी हैं। बताया जा रहा है कि शिवांशी पार्श्वनाथ प्लाजा स्थित एक कंपनी में टेलीकालर के रूप में कार्यरत थीं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने युवती के परिवारजनों को सूचित किया। उसकी बहन रोली को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

फिलहाल, युवती की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवती के बयान के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

# हंगरी, पोलैंड और नाइजीरिया से भी एलयू में एडमिशन के आवेदन

**इस बार 64.2 प्रतिशत इजाफे के साथ अब तक आए विदेशी स्टूडेंट्स के 3421 आवेदन।**

लखनऊ (जीएनएस)। लखनऊ यूनिवर्सिटी की पहुंच धीरे-धीरे वैश्विक होती जा रही है। यही कारण है कि सेशन 2026-27 के लिए यहां एडमिशन के लिए इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के आवेदनों की संख्या में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। इस वर्ष न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के स्टूडेंट्स ने भी लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए उत्साह दिखाया है।

बीते वर्ष से अधिक आवेदन

खास बात ये है कि सेशन 2025-26 के 2,083 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष अब तक 64.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ कुल 3,421 आवेदन स्टूडेंट्स के आ चुके हैं, जबकि सेशन

शुरू होने में अभी दो माह का समय शेष है।

**इन देशों के स्टूडेंट्स के आवेदन**

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया, और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में स्टूडेंट्स के आवेदन मिले हैं। एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के स्टूडेंट्स ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

**अफ्रीकी देशों का भी रुझान**

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो। जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ यूनिवर्सिटी की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के स्टूडेंट यहां एडमिशन लेने के लिए उत्सुक हैं। विशेषकर स्नातक स्तर पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की बढ़ती संख्या भारत की मजबूत वैश्विक छवि और उत्तर प्रदेश की सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति को प्रमाणित करती है।

**इन कोर्सों में अधिक आवेदन**

स्नातक में 2,552 आवेदन हैं, जिनमें बी.टेक में सबसे अधिक रुझान है। स्नातकोत्तर में 595 आवेदन में से सबसे ज्यादा एमकाम एवं एमए की मांग है। वहीं, 274 इंटरनेशनल स्टूडेंट्स ने पीएचडी के लिए भी

# लखनऊ के पीजीआई और केजीएमयू ने खोजी एचटीआर तकनीक, बताएगी थायराइड कैंसर का इलाज कितना सही

**लखनऊ के पीजीआई और केजीएमयू ने खोजी एचटीआर तकनीक, बताएगी थायराइड कैंसर का इलाज कितना सही**

**थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद मरीज कितना ठीक हुआ, यह पता लगाना अब आसान होगा। केजीएमयू और संजय गांधी पीजीआई द्वारा हेपेटिक थाई रेशियो (एचटीआर) तकनीक विकसित की है। यह रेशनल अनुपात का आकलन कर कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे को बता देगा।**

लखनऊ (जीएनएस)। थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद मरीज कितना ठीक हुआ, यह पता लगाना अब आसान होगा। केजीएमयू और संजय गांधी पीजीआई द्वारा हेपेटिक थाई रेशियो (एचटीआर) तकनीक विकसित की है। यह रेशनल अनुपात का आकलन कर कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे को बता देगा। इस तकनीक के 60 थायराइड कैंसर मरीजों पर की गई स्टडी में बेहतर रिजल्ट मिले हैं। इस स्टडी को यूके के प्रतिष्ठित न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशंस जर्नल ने मान्यता दी है।

**एचटीआर तकनीक का फायदा**

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के डॉ। प्रकाश सिंह ने बताया कि थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद अगर थोड़ा भी कैंसर टिश्यू रह गया तो यह दोबारा तेजी से पनप सकता है। इस नए पैरामीटर की मदद से कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे का पता लगाकर इसके दोबारा होने के जोखिम को काफी हद तक टाला जा सकता है। अब तक डॉक्टर इलाज के असर को समझने के लिए खून की जांच और स्कैन पर ज्यादा निर्भर रहते थे। लेकिन अब एक नया पैरामीटर हेपेटिक-थाई रेशियो (एचटीआर) काफी मददगार साबित होगा।

स्टडी में 60 कैंसर मरीजों को 30-30 के दो ग्रुप में बांटा गया। मरीजों का इलाज रेडियोआयोडीन थेरेपी से किया गया। हेपेटिक जबकि, एचटीआर लिवर और थाई के बीच के रेडियो आयोडीन लेवल मरीज के उपचार की स्थिति को समझने में अहम भूमिका निभाता है। जिन मरीजों का एचटीआर का स्तर 2.135 से कम था, उनमें ज्यादातर मरीजों में बीमारी पूरी तरह खत्म हो गई। जिन मरीजों में एचटीआर लेवल बढ़ा हुआ था, उनमें इलाज का असर कम देखा गया। इनमें कैंसर के बने रहने या दोबारा उभरने की आंशका ज्यादा पाई गई।

# बिहार की राजनीति में आने वाला है बड़ा बदलाव? सत्याग्रह की भूमि से निशांत कुमार के जन-संपर्क का नया मॉडल

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों एक नई हलचल देखी जा रही है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के उभरते युवा नेता निशांत कुमार ने अपनी पहली आधिकारिक राजनीतिक यात्रा, 'सद्भाव यात्रा' का बिगुल फूंक दिया है। इस पहल को केवल सत्ता की राजनीति के रूप में नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को नई ऊर्जा देने और कार्यकताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के एक सशक्त माध्यम के रूप में देखा जा रहा है।

निशांत कुमार का मानना है कि वास्तविक राजनीति ड्राइंग रूम से नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी धड़कन समझने से शुरू होती है। यह यात्रा बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में युवाओं की बढ़ती भागीदारी और उनके सेवा भाव को प्रदर्शित करने का एक नया अध्याय साबित हो सकती है।

चंपारण सत्याग्रह से ली प्रेरणा

निशांत कुमार ने अपनी इस यात्रा को एक ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए इसकी तुलना महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बापू ने बिहार की पावन धरती चंपारण से अपने पहले सत्याग्रह की शुरूआत कर देश की दिशा बदली थी, ठीक उसी तरह वह भी समाज के बीच जाकर आपसी भाईचारे और संवाद का संदेश फैलाना चाहते हैं। उनके लिए यह यात्रा महज एक दौरा नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की एक ऐसी पाठशाला है, जहाँ वह आम जनमानस की अपेक्षाओं को गहराई से सीखेंगे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

# सम्पादकीय

## युद्ध के आसार

मध्य एशिया सुलग रहा है और कभी भी युद्ध की आग भड़क सकती है। एक तरफ जहां अमेरिका ने 9 अरब के डिफेंस सिस्टम एवं मारक बारूदी हथियार और मिसाइल सहित अपने लड़ावू जवानों की तैनाती की है वहीं ईंरान ने आंख दिखाते हुए अमेरिका से रविवार को पूछा कि वह स्पष्ट रूप से बताए कि उसे युद्ध चाहिए या शान्ति। ईंरान यह भी धमकी दे रहा है कि यदि अमेरिका उसके पुलों और ऊर्जा वेंद्रों को तबाह करने की सोच रहा है या योजना बना रहा है तो वह अपने उन सैन्य ठिकानों को बचा नहीं पाएगा जो गल्फ देशों में मौजूद हैं। ईंरान की यह धमकी अमेरिका द्वारा 9 अरब डालर के सैन्य संसाधन आपूर्ति के पैसले के तुरन्त बाद आई है।

असल में अमेरिका, इजरायल और ईंरान तीनों को अभी भी युद्ध का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। न तो ईंरान पूरी तरह पस्त हुआ है और न तो उसकी यूरेनियम नष्ट हो पाई है। इसी तरह ईंरान वषरे से अरमान पाले बैठा था कि वह इजरायल को खत्म करके वहां हमास का झण्डा फहरा देगा तथा खाड़ी में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह मिसाइलों से तबाह कर देगा। अमेरिका ने सोच रखा था कि वह ईंरान के शीर्ष नेतृत्व को मार कर पूरे देश को अंधी गली बना देगा और ईंरानी गृहयुद्ध में एकदूसरे को मारकर इस देश को नर्क बना देंगे। किन्तु यह भी नहीं हो पाया।

अब तीनों देश अपने-अपने अपूर्ण लक्ष्य को लेकर फिर एक बार वुछ बड़ा करने की रणनीति में व्यस्त हैं।

सच तो यह है कि ईंरान ने अमेरिका के खाड़ी देशों में स्थित सैन्य ठिकानों को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि उसने खाड़ी देशों के उस भरोसे को भी तोड़ दिया जो उनकी रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका की तरफ से मिलता रहता था। पिछले 45 वषरे से खाड़ी के देश इसी उम्मीद और विश्वास के साथ निश्चिंत थे कि अमेरिका उनकी रक्षा ईंरान की मिसाइलों और ड्रोन से जरूर करेगा किन्तु अमेरिका उनकी रक्षा करने में असफल रहा है। इसी वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति और पेण्टागन इतने भन्नाए हैं कि उन्होंने नौ अरब डालर के सैन्य संसाधन भेजने के पहले संसदीय समिति से अनुमति भी नहीं ली। ईंरान को अमेरिका से इसीलिए पूछना पड़ा कि वह शान्ति चाहता है या युद्ध।

युद्ध में नुकसान तो सभी को होता है किन्तु विनाश किसी एक का होना तय है। यह युद्ध ईंरान के अस्तित्व के विरुद्ध है जबकि अमेरिका अपनी दादागिरी को कायम रखने के लिए इस युद्ध में वूद गया। अमेरिका की यहूदी कम्यूनिटी अब राष्ट्रपति ट्रंप को चुप बैठने भी नहीं देगी। इसलिए भले ही अमेरिका ईंरान को कोई जवाब न दे किन्तु लगता यही है कि जल्दी ही युद्ध एक बार फिर भड़क सकता है। इस बार इस युद्ध का क्षेत्र विस्तार होना भी तय है। 28 फरवरी से पहले होर्मूज समुद्री मार्ग पर किसी तरह की रुकावट नहीं थी किन्तु ईंरान ने जिस तरह इस व्यापारिक मार्ग को युद्ध का क्षेत्र बनाया और अमेरिका ने नाकेबन्दी कर दी वह तेहरान के लिए घातक साबित हो सकता है। हैरानी होती है कि ईंरान यह जानकर भी कि उसे रूस या चीन से रणनीतिक सहायता के अलावा वुछ भी मिलने वाला नहीं है।

चीन कभी भी टैक्टिकल सहायता देकर अमेरिका से दुश्मनी नहीं ले सकता जबकि रूस निन्दा से आगे बढ़ ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इस्लामिक रिपब्लिकन गार्डस कार्प्स यदि आत्मदहन पर आमादा है तो उस देश पर युद्ध का संकट इतने जल्दी खत्म होने वाला नहीं है। ईंरान में सरकार को वहां की इस्लामिक रिपब्लिकन सेना देती है। इसलिए भी वूटनीति से ज्यादा ईंरान में युद्ध की भाषा ज्यादा बोली और समझी जा रही है।

## बालेन शाह का ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिकी दूत को मिलने से किया मना

(जीएनएस)।

दक्षिण एशिया की बदलती राजनीति में नेपाल ने हाल ही में अमेरिका को कड़ा कूटनीतिक संदेश दिया है। अमेरिकी विशेष दूत और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर इन दिनों क्षेत्रीय दौरे पर हैं, लेकिन मालदीव के बाद अब नेपाल में भी उन्हें मायूसी हाथ लगी।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अमेरिकी दूत से मिलने का वक्त देने से साफ इनकार कर दिया। यह घटना दशार्ती है कि अब छोटे देश भी महाशक्तियों के सामने अपनी शर्तों पर कूटनीति करना सीख गए हैं। बालेन शाह के इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है।

**मुलाकात से इनकार: सीधा संदेश**

अमेरिकी दूत सर्गियो गोर ने काठमांडू पहुंचकर प्रधानमंत्री कार्यालय से मिलने का समय मांगा था। उम्मीद थी कि अमेरिका की अहमियत देखते हुए उन्हें तुरंत समय मिल जाएगा, लेकिन पीएम बालेन शाह के कार्यालय ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया। सरकार का तर्क है कि प्रधानमंत्री फिलहाल बाहरी मुलाकातों के बजाय देश के आंतरिक प्रशासन और नीतिगत सुधारों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यह कदम अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं है।

**: प्रोटोकॉल की नई लक्ष्मण रेखा**

विशेषज्ञों का मानना है कि बालेन शाह नेपाल की कूटनीति में एक नई परंपरा शुरू कर रहे हैं। इस नए प्रोटोकॉल के तहत प्रधानमंत्री अब केवल राष्ट्राध्यक्षों या समकक्ष स्तर के नेताओं (जैसे विदेश मंत्री) से ही आधिकारिक मुलाकात करेंगे। किसी राजदूत या विशेष दूत को सीधे प्रधानमंत्री का समय न मिलना यह बताता है कि नेपाल अब अपने पद और गरिमा को लेकर बेहद सख्त हो गया है और वह किसी भी दबाव में नहीं झुकना चाहता।

**गुटबाजी से दूरी का इरादा**

नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसे भारत, चीन और अमेरिका जैसी शक्तियों के बीच खींचतान का केंद्र बनाती है। बालेन शाह का यह रुख साफ करता है कि नेपाल किसी भी वैश्विक गुटबाजी का हिस्सा नहीं बनना चाहता। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के प्रतिनिधि को समय न देकर नेपाल ने यह संदेश दिया है कि उसकी प्राथमिकता अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता है। वह अपनी धरती पर किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

ये भी पढें; इं॑ल्ल रँ ठीह ळ७ फ्४ॅ: बालेन शाह के बॉर्डर टैक्स का मुंहतोड़ जवाब! नेपाल की चाय निर्यात पर 'सर्जिकल स्ट्राइक

**दक्षिण एशिया में अमेरिका की बढ़ती मुश्किल**

सिर्फ नेपाल ही नहीं, हाल के दिनों में मालदीव ने भी अमेरिकी दूतों के प्रति ऐसा ही रुख अपनाया है। दक्षिण एशियाई देशों का यह 'तेवर' अमेरिका के लिए चिंता का विषय है। भारत में स्थित अमेरिकी राजदूत के लिए यह दौरा काफी असहज साबित हुआ है। यह स्थिति दिखाती है कि अब दक्षिण एशिया की बिसात बदल रही है, जहां छोटे देश अपनी 'औकात' या हैसियत कम आंकने के बजाय बड़े देशों को बराबरी का आईना दिखा रहे हैं।

## 293 सीटों पर आएगा फैसला, लेकिन बंगाल की इस एक सीट पर क्यों नहीं चुना जाएगा विधायक?

..

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों का इंतजार अब खत्म होने को है। 4 मई को जब सुबह 8 बजे ईवीएम (EVM) के पिटारे खुलेंगे, तो पूरे देश की नजरें इस बात पर होंगी कि क्या ममता बनर्जी की हैट्रिक बरकरार रहती है या भाजपा पहली बार कोलकाता के 'लाल बाजार' पर अपना परचम लहराती है। लेकिन, इस बार का चुनाव परिणाम थोड़ा अधूरा रहने वाला है।

पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों में से कल केवल 293 सीटों के ही भाग्य का फैसला होगा। आखिर वो कौन सी बदनसीब सीट है जहां कल सन्नाटा पसरा रहेगा और वहां का विधायक कल क्यों नहीं चुना जाएगा? आइए समझते हैं पूरी कहानी।

फालता विधानसभा का क्यों नहीं आएगा रिजल्ट?

दक्षिण 24 परगना जिले की फालता विधानसभा सीट कल होने वाली मतगणना का हिस्सा नहीं होगी। चुनाव आयोग (ECI) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए इस पूरी सीट पर हुए मतदान को रद्द कर दिया है। आयोग का मानना है कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के दौरान यहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया का गला घोंटा गया और बड़े पैमाने पर चुनावी अपराध किए गए।

आयोग ने शनिवार को निर्देश जारी किया कि फालता के सभी 285 पोलिंग बूथों पर अब 21 मई को नए सिरे से मतदान कराया जाएगा। सुरक्षा के ऐसे इंतजाम किए जा रहे हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। यही कारण है कि जब कल पूरा बंगाल जश्न मना रहा होगा, फालता के उम्मीदवार और जनता अगले तीन हफ्तों के लिए 'वेटिंग लिस्ट' में रहेंगे। इस सीट का परिणाम अब 24 मई को घोषित किया जाएगा।

EVM पर टेप और बूथों पर हिंसा: आखिर क्या हुआ था उस दिन?

फालता में रिपोलिंग का फैसला हवा-हवाई नहीं है। चुनाव आयोग के ऑब्जर्वर्स ने जो रिपोर्ट सौंपी, वह चौंकाने वाली थी। मतदान वाले दिन भाजपा उम्मीदवार देवांशु पांडा ने आरोप लगाया कि बूथ नंबर 177 पर ईवीएम में भाजपा के चुनाव चिह्न (कमल) के सामने वाले बटन पर सफेद टेप चिपका दिया गया था, ताकि कोई उसे दबा न सके।

बात यहीं खत्म नहीं हुई। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर दावा किया कि बूथ नंबर 144 और 189 में भी यही 'टेप वाला खेल' खेला गया था। इसके अलावा, बेलसिंह इलाके में स्थिति इतनी बिगड़ी कि सुरक्षाबलों को लाठीचार्ज करना पड़ा। आरोप है कि वहां मतदाताओं को डराया-धमकाया जा रहा था। इस अफरा-तफरी में कई महिलाएं घायल हुईं और एक मासूम बच्चे के सिर में भी चोट आई। इन्ही शिकायतों के आधार पर आयोग ने पूरी विधानसभा में दोबारा वोटिंग का कड़ा फैसला लिया।

**दिग्गजों की साख दांव पर: चुनावी मैदान के महारथी**

फालता सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प है। यहां तृणमूल कांग्रेस (TMC) की ओर से दिग्गज नेता जहांगीर खान मैदान में हैं। उन्हें टक्कर दे रहे हैं भाजपा के देवांशु पांडा। कांग्रेस ने यहां से अब्दुर रज्जाक मोल्ला को उतारा है, तो वहीं माकपा (CPI-M) की ओर से शंभू नाथ कुर्मी ताल ठोक रहे हैं। चुनाव रद्द होने से इन सभी उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ गई हैं, क्योंकि अब इन्हें दोबारा से जनता के बीच जाकर अपनी किस्मत आजमानी होगी।

**सियासी घमासान: अभिषेक बनर्जी बनाम भाजपा**

फालता में दोबारा चुनाव को लेकर राजनीति भी गरमा गई है। भाजपा के सुकांत मजूमदार ने इसे फालता की माताओं और बहनों की जीत बताया है। उनका कहना है कि स्थानीय टीएमसी नेता जहांगीर खान के आतंक के खिलाफ यह एक बड़ी जीत है। वहीं, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर पलटवार करते हुए इसे 'बंगाल विरोधी गुजराती गैंग' की साजिश बताया है।

अभिषेक बनर्जी ने '' (पूर्व में ट्विटर) पर सीधे चुनौती देते हुए कहा कि दिल्ली से किसी भी 'गॉडफादर' को भेज दें, लेकिन वे उनके 'डायमंड हार्बर मॉडल' को हिला नहीं पाएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार को चुनौती दी कि अगर हिम्मत है तो फालता के मैदान में आकर चुनाव लड़ें। यह जुबानी जंग साफ करती है कि 21 मई को होने वाली रिपोलिंग किसी युद्ध से कम नहीं होगी।

**रिपोलिंग का पूरा गणित: सुरक्षा के साये में मतदान**

चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि 21 मई को होने वाले चुनाव में कोई रिस्क नहीं लिया जाएगा।

सेंट्रल फोर्स की तैनाती: सभी बूथों पर भारी मात्रा में केंद्रीय बलों की मौजूदगी रहेगी।

माइक्रो-ऑब्जर्वर्स: हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखने के लिए विशेष अधिकारी तैनात होंगे।

वेबकास्टिंग और वीडियोग्राफी: धांधली रोकने के लिए पूरे मतदान की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी।

कल 4 मई को जब 293 सीटों के नतीजे आएंगे, तो बंगाल की सत्ता की तस्वीर तो काफी हद तक साफ हो जाएगी, लेकिन फालता का वो '294वां विधायक' कौन होगा, इसके लिए हमें 24 मई तक का इंतजार करना पड़ेगा। लोकतंत्र की इस लड़ाई में फालता अब एक ऐसी मिसाल बन गया है, जहां आयोग ने साबित किया है कि अगर प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई, तो परिणाम को रोकना ही एकमात्र विकल्प है।

## बंगाल में कितना चला सीएम योगी का जादू? 4 मई को साफ होगी तस्वीर, चर्चा में रहे 'बुलडोजर बाबा'

इस बार पूरे चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब डिमांड रही. सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ रैलियां भी कीं. सभी योगी ने जिन सीटों पर चुनावी रैलियां कीं, उनपर भी नजर रहेगी.

पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों पर सबकी निगाहें टिकीं हैं. कल यानी 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो जाएंगे. इस बार पूरे चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब डिमांड रही. सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ रैलियां भी कीं. सभी योगी ने जिन सीटों पर चुनावी रैलियां कीं, उनपर भी नजर रहेगी.

बता दें कि पश्चिम बंगाल चुनाव दो चरणों में संपन्न हुआ था. पहले चरण के लिए 23 अप्रैल और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी.

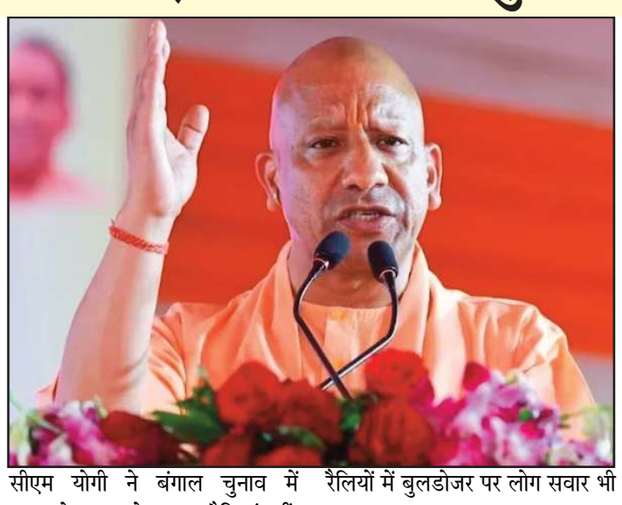



सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ 20 से ज्यादा रैलियां कीं. इस दौरान उनके चुनाव नारे खूब वायरल भी हुए. यूपी की तरह माफिया को जहन्नुम भेजने का वादा करने वाले सीएम योगी के बुलडोजर की खूब चर्चा हुई. इतना ही नहीं कई रैलियों में बुलडोजर पर लोग सवार भी नजर आए.

पूरे चुनाव में सीएम योगी ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर दिखे. उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर "भ्रष्टाचार, अराजकता और माफिया राज" का आरोप लगाया. साथ ही भाजपा की "डबल इंजन" सरकार का आ'ान किया. सीएम योगी ने 'जय श्री राम' के नारे और हिंदुत्व के मुद्दे पर टीएमसी को घेरा. इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ के "ळटउ मुक्तो बांग्ला", "गोमाता को कटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे" और "जय श्री राम" जैसे नारे चर्चा में रहे.

बुलडोजर और विकास के मुद्दों से माहौल बनाया

सीएम योगी ने अपनी रैलियों में कानून-व्यवस्था, बुलडोजर और विकास के मुद्दों को उठाते हुए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया. सीएम योगी ने सोनामुखी (बांकुड़ा जिला), नंदकुमार (पूर्व मेदिनीपुर), कांथी दक्षिण, मालदा, पुरुलिया और उत्तरी बंगाल में भी रैलियां की. साथ ही कई रोड शो भी किए. अब देखना है कि जिन सीटों पर सीएम योगी ने रैलियां कीं, उसपर कितना असर दिखा?.

## लक्ष्मी मित्तल की कितनी है नेटवर्थ? 15,660 करोड़ में खरीदी राजस्थान रॉयल्स, 75 फीसदी शेयर के साथ बने नए किंग




(जीएनएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के मैदान पर जहां छक्कों की बारिश हो रही है, वहीं बिजनेस के गलियारों से एक ऐसी खबर आई है जिसने क्रिकेट जगत को हिलाकर रख दिया है। दुनिया के स्टील किंग कहे जाने वाले दिग्गज बिजनेसमैन लक्ष्मी मित्तल का परिवार अब आईपीएल में एंट्री कर चुका है। मित्तल परिवार ने लीग की पहली चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स (RR) में बड़ी हिस्सेदारी खरीद ली है।

यह डील कुल 15,660 करोड़ रुपये ($1.65 बिलियन) में फाइनल हुई है। लक्ष्मी मित्तल परिवार ने मौजूदा प्रमोटर मनोज बदले और उनके ग्रुप से टीम का अधिग्रहण किया है। इस डील के बाद राजस्थान रॉयल्स के ओनरशिप स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

**किसकी कितनी होगी हिस्सेदारी**

मित्तल परिवार: टीम में लगभग 75% की हिस्सेदारी रखेगा।

अदार पूनावाला: 'वैक्सीन किंग' और सीरम इंस्टीट्यूट के उएड अदार पूनावाला के पास करीब 18% हिस्सा होगा।

अन्य: बाकी की हिस्सेदारी छोटे निवेशकों के पास रहेगी।

**लक्ष्मी मित्तल की नेटवर्थ**

राजस्थान के चूरू जिले की सादुलपुर तहसील में जन्मे लक्ष्मी मित्तल स्टील इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने ब्रिटेन छोड़ने की घोषणा की थी। फोर्ब्स रियलटाइम बिलेनियर्स के आंकड़ों के अनुसार 75 वर्षीय लक्ष्मी मित्तल की नेटवर्थ 2.70 लाख करोड़ रुपये है। वह भारत के टॉप अमीरों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आते हैं।

**लक्ष्मी मित्तल की कमाई का साधन**

लक्ष्मी मित्तल की अकूत संपत्ति का सबसे बड़ा आधार आर्सेलरमित्तल है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी है। मित्तल इस कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उनका बिजनेस मॉडल 'वर्टिकल इंटीग्रेशन' पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि उनकी कंपनी न केवल स्टील बनाती है, बल्कि लौह अयस्क की खदानों का भी स्वामित्व रखती है, जिससे उनकी उत्पादन लागत कम और मुनाफा अधिक होता है। उनका बिजनेस कई अलग-अलग देशों में फैला हुआ है।

**लक्ष्मी मित्तल की प्रतिक्रिया**

टीम खरीदने के बाद मित्तल ने कहा कि मुझे क्रिकेट से गहरा लगाव है और मेरा परिवार राजस्थान से जुड़ा हुआ है, इसलिए आईपीएल में मेरे लिए राजस्थान रॉयल्स से बेहतर कोई टीम नहीं हो सकती। क्रिकेट से मेरा रिश्ता स्कूल के दिनों में शुरू हुआ था और तभी से यह खेल मेरी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है।

## 'मेरी जीवन साथी कहीं है', क्या 67 साल के मुकेश खन्ना करने जा रहे हैं शादी?

(जीएनएस)।

:'शक्तिमान' और 'भीष्म पितामह' जैसे मशहूर किरदारों के लिए मशहूर 67 वर्षीय अभिनेता मुकेश खन्ना एक बार फिर से अपने एक बयान की वजह से लोगों के बीच में सुर्खियां बने हुई है, दरअसल 'फिल्मी चर्चा' से बात करते हुए मुकेश खन्ना ने शादी और रिलेशनशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि 'मैंने आज तक शादी नहीं की तो इसका अर्थ ये नहीं कि मैं इसमें भरोसा नहीं करता हूं, मुझे लगता है कि इंसान की लाइफ में जीवनसाथी तब आता है, जब वो उसके भाग्य में लिखा होता है।'

यहां तक तो बात ठीक थी लेकिन जब उन्होंने ये कहा कि 'रही बात मेरी शादी की तो अगर ऐसा होना होता, तो अब तक हो गया होता लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मेरी जीवनसाथी कहीं न कहीं मौजूद है। जब भाग्य हमें मिलाएगा, तब शादी होगी रही बात उम्र की तो मैं सच बताऊं इसे मैं गिनता नहीं हूं।'

मुकेश खन्ना के इस बयान के सामने आने के बाद से सोशल मीडिया पर लोग मुकेश खन्ना की बातों का अर्थ निकालने लगे कि 'क्या सच में वो अभी भी शादी कर सकते हैं?' तो वहीं एक यूजर ने लिखा कि 'लगता है कि शक्तिमान उर्फ मुकेश खन्ना को उनकी असली गीता विश्वास ( शक्तिमान की हिरोईन का नाम जिसे कि अभिनेत्री वैष्णवी ने निभाया था) मिल गई है।'



**'पुरुष वह होता है जिसके कई अफेयर्स हों'**

आपको बता दें कि अपने इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने कहा कि ' एक बार फिल्मकार रवि चोपड़ा ने कहा था, एक मर्द वह होता है जिसके कई अफेयर्स हों' उन्होंने बताया, 'उस समूह में उस वक्त सबके अफेयर्स थे, सिवाय मेरे।' मेरा मानना है कि मर्दानगी साबित करने के लिए दस गर्लफ्रेंड नहीं चाहिए, उन्होंने विवाह में निष्ठा और समाज के दोहरे मानकों पर सवाल उठाया।

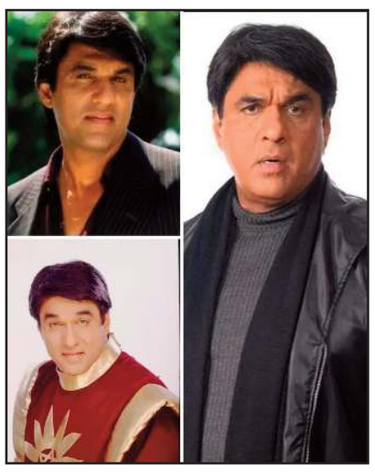

'महिला को पतिव्रता होना चाहिए', मुकेश खन्ना ने उठाए सवाल

मुकेश खन्ना ने पूछा, 'महिला को 'पतिव्रता' होना चाहिए, पर पुरुषों के लिए ऐसा क्यों नहीं?' मेरा मानना है कि 'यह उनके लिए भी उतना ही आवश्यक है, शादीशुदा होने का मतलब प्रतिबद्धता है, जहां दो आत्माएं मिलती हैं, लेकिन लोग इसे नहीं मानते और फिर भी धोखा देते हैं।'

**पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था मुकेश खन्ना का जन्म**

आपको बता दें कि बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' (1988-1990) में भीष्म की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले का जन्म एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था, मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने बैचलर ऑफ साइंस (इ.ू.) की डिग्री और मास्टर ऑफ लॉज की योग्यता हासिल की, उन्होंने बाद में पुणे स्थित फि ल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ऋळक्क) से अभिनय का एक कोर्स भी पूरा किया।

## कैलाश मानसरोवर पर नेपाल का दावा अनुचित, मुद्दों के समाधान के लिए भारत रचनात्मक बातचीत को तैयार

नयी दिल्ली (जीएनएस)। भारत ने लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा के बारे में नेपाल के दावों को अनुचित बताते हुए कहा है कि वह सभी मुद्दों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत को तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार देर रात कहा कि लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर भारत की स्थिति निरंतर और स्पष्ट रही है। कोई नया घटनाक्रम नहीं है। यह 1954 से यात्रा का स्थापित मार्ग रहा है।

प्रवक्ता ने कहा, ह्लजहाँ तक क्षेत्रीय दावों का संबंध है, भारत ने लगातार यह कहते रहा है कि ऐसे दावे न तो उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित हैं। क्षेत्रीय दावों का इस प्रकार का एकतरफा कृत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है।

भारत द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर, जिनमें सहमति से लंबित सीमा संबंधी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से करना भी शामिल है, नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है।

# लखनऊ में स्मार्ट मीटर के खिलाफ 'हल्ला बोल'; आप का जोरदार विरोध प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर कथित लूट, गलत बिलिंग, बिजली कटौती और प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता के विरोध में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आ'ान पर रविवार को लखनऊ के शक्ति भवन के सामने पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. इससे पहले शनिवार को ललितपुर, गाजियाबाद, बहराइच, बागपत, जालौन, मुजफ्फरनगर, चंदौली, वाराणसी, आगरा, बदायूं, मैनपुरी, मेरठ, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में जिला विद्युत उपकेंद्रों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया था.

लखनऊ के शक्ति भवन पर अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल की उपस्थिति में और लखनऊ जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया. पुलिस और कार्यकताओं के बीच झड़प हुई. कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया. इस दौरान राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तत्काल बंद करने की मांग उठाई गई. अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर योजना पूरी तरह फेल हो चुकी है और यह अब जनता को राहत देने के बजाय आर्थिक शोषण का माध्यम बन गई है.

लखनऊ में शक्ति भवन पर

प्रदर्शन.

उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर इतने 'स्मार्ट' हो गए हैं कि बैलेंस खत्म होते ही तुरंत बिजली काट देते हैं, लेकिन रिचार्ज के बाद भी 10 से 12 घंटे तक बिजली बहाल नहीं होती. यह व्यवस्था न सिर्फ तकनीकी रूप से विफल है, बल्कि सरकार की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है. कहा कि प्रदेश में अब तक लगभग 78 से 80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से करीब 70 लाख प्रीपेड मीटर हैं और लाखों उपभोक्ता गलत बिलिंग, तेजी से बैलेंस खत्म होने और बिजली कटौती से परेशान हैं. कई मामलों में जहां पहले ₹1500 तक का बिजली बिल आता था, वह अब बढ़कर 6000ञ्7000 रुपए तक पहुंच रहा है. यह जनता की जेब पर हमला है.

लखनऊ में आप का प्रदर्शन.

लखनऊ जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि नलकूपों पर लगाए जा रहे 4ञ्स्मार्ट मीटर किसानों के लिए नई मुसीबत बन गए हैं. नेटवर्क की समस्या के कारण मीटर सही से काम नहीं कर रहे, लेकिन बिल लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है. उनकी सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है. कहा कि अगर सरकार ने समय रहते इस व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया तो आम आदमी पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज करेगी. किसानों से लेकर आम उपभोक्ताओं तक की आवाज को सड़कों पर मजबूती से उठाएगी.

आम आदमी पार्टी की तरफ से दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही इस लूट को तत्काल रोका जाए. पूरे प्रोजेक्ट की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए. दोषी अधिकारियों और कंपनियों पर सख्त कार्रवाई की जाए. जिन उपभोक्ताओं को रिचार्ज के बाद भी समय से बिजली नहीं मिली उन्हें मुआवजा दिया जाए. 1912 हेल्पलाइन को दुरुस्त कर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए.

विरोध प्रदर्शन में विनय पटेल, इरम रिजवी, दिनेश पटेल, मनोज मिश्रा, अनिल जैन, शीतला सोनी, प्रीतपाल सलूजा, अंशुल सिंह, जनक प्रसाद, प्रखर श्रीवास्तव, अनित रावत, ज्ञान सिंह, पी के बाजपेई, मधुर सेठ, मोहम्मद अदनान, नूर सिद्दीकी, बलराम साहनी, सुधीर पटेल, अभिषेक प्रताप सिंह, नीरज, विनोद शर्मा, तुषार श्रीवास्तव, ललित वाल्मीकि समेत प्रमुख पदाधिकारी व तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे.

# लखनऊः दारोगा-होमगार्ड परीक्षा में जालसाजी का मामला, पेपर लीक का झांसा दे रहे दो आरोपी गिरफ्तार

**उत्तर प्रदेश में दारोगा और होमगार्ड भर्ती परीक्षा में जालसाजी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है. स्पेशल टास्क फोर्स ने बिहार के मुजफ्फरपुर में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों ने टेलीग्राम के जरिए अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने का झूठा वादा कर मोटी रकम वसूली.**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुई बड़ी भर्ती परीक्षाओं में सेंधमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है. राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स ने दारोगा और होमगार्ड भर्ती परीक्षा में जालसाजी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. ये गिरोह अभ्यर्थियों को झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूल रहा था.

रळऋ ने तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर बिहार के मुजफ्फरपुर में छापेमारी की.

वहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. आरोपियों की पहचान अमन कुमार और निखिल ठाकुर के रूप में हुई है.

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने मिलकर एक नेटवर्क बनाया था, जो सीधे तौर पर यूपी में भर्ती परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को निशाना बना रहा था.

### टेलीग्राम के जरिए ठगी का खेल

जांच में सामने आया है कि आरोपी टेलीग्राम ऐप का इस्तेमाल करते थे. वो अलग-अलग ग्रुपों के जरिए उन अभ्यर्थियों से संपर्क करते थे जो दारोगा और होमगार्ड भर्ती की तैयारी कर रहे थे. ये आरोपी अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने और पेपर मुहैया कराने का झूठा वादा करते थे. सोशल मीडिया की गोपनीयता का फायदा उठाकर वो लोगों को अपना शिकार बना रहे थे.

### हाल ही में आयोजित हुई थीं परीक्षाएं

बता दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड (वढढफ्ढइ) ने हाल ही में दो बड़ी परीक्षाएं आयोजित की थीं. पहली दारोगा (रक) के 4,543 पदों के लिए 14 और 15 मार्च 2026 को परीक्षा हुई थी. 23 मार्च को इसकी उत्तर कुंजी (अल्ल२ढी१ डी८) भी जारी की थी. वहीं, पिछले दिनों 25, 26 और 27 अप्रैल 2026 को होमगार्ड भर्ती परीक्षा हुई थी. 41,424 पदों के लिए हुई इस परीक्षा में करीब 25 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे.

# चोरी का बड़ा खेल बेनकाब, पुलिस के शिकंजे में तीन शातिर, लाखों का खजाना बरामद

**लखनऊ के कैसरबाग में बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह के तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार। पुलिस ने लाखों के जेवरात, नगदी और मोटरसाइकिल बरामद कर कई घटनाओं का खुलासा किया।**

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ के कैसरबाग क्षेत्र में पुलिस ने बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नगदी और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। इस सफलता को पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच का बड़ा परिणाम माना जा रहा है।

यह पूरी कार्रवाई डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित के निर्देशन और एडीसीपी धनंजय कुशवाहा के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। थाना कैसरबाग प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने लगातार निगरानी और जांच के बाद इस गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की।

### बंद घरों को बनाते थे निशाना

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से बंद घरों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। यह गिरोह पहले ऐसे मकानों की पहचान करता था, जहां कई दिनों तक कोई नहीं रहता था। इसके बाद रात के समय ताला

तोड़कर घर में घुसते और कीमती सामान लेकर फरार हो जाते थे। आरोपियों की यह भी रणनीति थी कि वे सुनसान गलियों और कम भीड़ भाड़ वाले इलाकों को प्राथमिकता देते थे, ताकि पकड़े जाने का खतरा कम रहे।

### सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

इस मामले के खुलासे में सीसीटीवी कैमरों की अहम भूमिका रही। पुलिस टीम ने करीब 100 किलोमीटर के दायरे में लगे लगभग 15 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की गतिविधियों को ट्रैक किया गया और उनकी पहचान सुनिश्चित की गई। इसके बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह ऑपरेशन कई दिनों की मेहनत और तकनीकी विश्लेषण का परिणाम है।

### पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, ये आरोपी पहले भी चोरी, नकबजनी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह ने और किन-किन क्षेत्रों में वारदातों को अंजाम दिया है।

### बरामदगी से खुल सकते हैं कई राज

पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि ये सामान हाल ही में हुई चोरी की घटनाओं से जुड़ा हो सकता है। पुलिस अब बरामद किए गए जेवरात की पहचान कर उन्हें उनके असली मालिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटी है।

### पुलिस टीम की सराहना

इस सफलता के बाद पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की सराहना की है। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। एडीसीपी धनंजय कुशवाहा ने बताया कि पुलिस तकनीक और मानव संसाधनों के बेहतर समन्वय से अपराधियों तक पहुंचने में सफल हो रही है।

### स्थानीय लोगों में राहत

इस कार्रवाई के बाद कैसरबाग क्षेत्र के स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है। पिछले कुछ समय से इलाके में चोरी की घटनाओं से लोग परेशान थे और सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की इस कार्रवाई से उनका विश्वास बढ़ा है और उन्हें उम्मीद है कि अब क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं में कमी आएगी।

### सुरक्षा को लेकर अपील

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। लंबे समय के लिए घर खाली छोड़ते समय पड़ोसियों को सूचना दें और सुरक्षा उपायों को अपनाएं। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

# पत्नी की प्रताड़ना से तंग युवक झूला फंदे पर, दो बेटे हुए बेसहारा

**नगराम थाना में पत्नी समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस कर रही जांच।**

लखनऊ (ब्यूरो)। नगराम के अमेठियन पुरवा गांव में संडे को 28 वर्षीय प्रशांत सिंह ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पिता ने पत्नी समेत बलरामपुर जिले के गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के दुधरा गांव निवासी ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पिता ने मृतक की पत्नी समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

### कमरे में लगाई फांसी

अमेठियन पुरवा निवासी अशोक सिंह ने बताया कि उनका बेटा प्रशांत अपने कमरे में ही था। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर अनहोनी की आशंका हुई। जब दरवाजा खोलकर देखा तो प्रशांत फंदे से लटक रहा था। स्वजन उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया।

मृतक के पिता का आरोप है कि प्रशांत को पत्नी ममता सिंह उर्फ रुचि, उसकी साली रूबी सिंह व बब्बी सिंह, ससुर राजकरन सिंह और सास श्याम कुमारी सिंह बेटे को लगातार प्रताड़ित करते थे। उन्होंने बताया कि बहू को कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। पिता का आरोप है कि सभी की प्रताड़ना से ऊबकर प्रशांत ने आत्मघाती कदम उठाया।

### घर का सहारा था बेटा

पिता ने नगराम थाना में पत्नी समेत पांच ससुराल वालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया है। सभी आरोपित बलरामपुर जिले के गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के दुधरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया, प्रशांत घर का एकमात्र सहारा था, उसके दो बेटे भी हैं। एसीपी मोहनलालगंज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रशांत के पिता की तरफ से मिले साक्ष्यों को एकत्रित कर जांच की जा रही है।

# लखनऊ सहित अवध के कई जिलों में शनिवार देर रात बारिश, कल पूरे प्रदेश में आंधी-बरसात का अलर्ट

लखनऊ (जीएनएस)। यूपी में मौसम ठंडा बना हुआ है। लखनऊ सहित कई जिलों में देर रात हल्की से मध्यम बारिश हुई है। चार मई को कई जिलों में आंधी आने का अनुमान है। एक बार फिर से पलट गया है। मौसम विभाग के अनुसार चार मई से प्रदेश के कई जिलों में बरसात होनी थी लेकिन दो मई की रात से ही अवध के कई जिलों में अच्छी बरसात हुई। सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, अमेठी, रायबरेली सहित कई जिलों में रविवार की सुबह हल्की बरसात हुई। इसके पहले शनिवार की शाम को भी इन इलाकों में हल्की बारिश की खबरें थीं।

जेष्ठ माह में अमूमन गर्मी अपने चरम पर होती है लेकिन शनिवार को पहले ही दिन सुहावने मौसम ने इस्तकबाल किया। ठंडी हवाओं ने गर्मी से राहत दी तो वहीं धूप की तपिश भी मामूली जान पड़ी। पिछले दिनों आंधी-बारिश की वजह से तापमान में गिरावट का असर शनिवार को भी देखने को मिला। शुक्रवार के मुकाबले तापमान में हल्की बढ़त दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 3 मई को एक और पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश में 4 और 5 मई को आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई जा रही है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, निवर्तमान पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव समाप्त होने से तराई में कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी को छोड़कर ज्यादातर जगह शनिवार को मौसम साफ और शुष्क रहा। उन्होंने बताया कि तापमान में 4-6 की बढ़ोतरी के बाद आगामी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से चार मई से प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ संभावित वर्षा का अगला दौर शुरू होगा। इस वजह से एक बार फिर से तापमान में 6-8 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। इसी वजह से मई के शुरुआती 10 दिनों के दौरान लू चलने की संभावना नहीं है। मौसम में राहत की उम्मीद जताई जा रही है। इस दौरान मौसम सामान्य से कम होने के आसार हैं।

### प्रदेश में सक्रिय हैं तीन विक्षोभ

वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अप्रैल माह के शुरआती और अंतिम चरण में तीन सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि हुई। इस दौरान कुल प्रादेशिक मासिक वर्षा सामान्य से अधिक रही वहीं औसत मासिक तापमान सामान्य के आसपास रहे। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े के दौरान बांदा के अप्रैल के ऐतिहासिक सर्वोच्च स्तर 47.6 डिग्री तापमान तक पहुंचने और छह दिन देश में सर्वाधिक गर्म रहने के साथ पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्रमशः चार और दो दिन लू चली।

मई माह के दौरान प्रदेश के अधिकांश भाग में सामान्य से अधिक वर्षा के बावजूद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में सामान्य से कम तापमान के अलावा प्रदेश के अन्य भागों में औसत मासिक अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रहेगा। इस वजह से मई के दौरान प्रदेश के उत्तरी तराई क्षेत्रों में लू के दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामान्य रहने की संभावना है। मई के दौरान प्रदेश के पूर्वी, मध्यवर्ती, तराई एवं दक्षिणी भाग में औसत मासिक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

### सबसे गर्म रहा उरई

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को प्रदेश में उरई सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर बांदा रहा जहां अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया। तीसरे नंबर पर 39.4 डिग्री तापमान के साथ झांसी रहा।

# 4 मई को मतगणना के दिन पूरी तरह शराबबंदी, कौन-कौन से राज्य प्रभावित-क्यों लगा प्रतिबंध?

(जीएनएस)।

अगर आप 4 मई 2026 को शराब पीने या खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार रुककर पढ़ लें। भारत निर्वाचन आयोग (एउक) ने मतगणना के दिन इन पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण ड्राई डे घोषित कर दिया है। इसका मतलब है कि शराब की बिक्री, परोसना और वितरण पूरी तरह बंद रहेगा।

यह फैसला उन राज्यों में लागू होगा जहां 2026 विधानसभा चुनाव हुए थे और जहां 4 मई को वोटों की गिनती होनी है। आयोग का मकसद है कि मतगणना की संवेदनशील प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से पूरी हो। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम केरल, पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश)

इन पांचों राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 4 मई शराब की कोई भी दुकान, बार, रेस्टोरेंट, होटल, क्लब या लाइसेंस्ड परिसर खुला नहीं रहेगा। यहां तक कि निजी क्लबों और बड़े

होटलों में भी शराब परोसने की इजाजत नहीं होगी।

पुलिस और आबकारी विभाग कल इन राज्यों में विशेष अभियान चलाएंगे। अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### क्यों लगाया गया ड्राई डे? चुनाव आयोग का मकसद

मतगणना का दिन चुनावी प्रक्रिया का सबसे संवेदनशील चरण होता है। बड़े-बड़े परिणाम आने वाले होते हैं, समर्थक इकट्ठा होते हैं, जश्न मनाए जाते हैं और कभी-कभी तनाव भी बढ़ जाता है।

चुनाव आयोग ने शराब पर प्रतिबंध लगाकर इन बातों को रोकना चाहता हैः सार्वजनिक शांति और व्यवस्था बनाए रखना, किसी भी तरह की हिंसा या झड़प को रोकना, मतगणना प्रक्रिया को बिना बाधा के पूरा करना, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करना

### कानूनी आधार क्या है?

यह फैसला लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135उ के तहत लिया गया है। आयोग ने मतदान से 48 घंटे पहले भी ड्राई डे लागू किया था, लेकिन मतगणना के दिन एहतियात के तौर पर इसे अलग से आदेश दिया गया है।

आयोग ने सभी संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे इस नियम का पालन सुनिश्चित करें और किसी भी उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई करें।

चुनाव का पूरा कार्यक्रम (संक्षेप में) असम, केरल, पुडुचेरीः 9 अप्रैल को मतदान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (पहला चरण)ः 23 अप्रैल को मतदान, पश्चिम बंगाल (दूसरा चरण)ः 29 अप्रैल को मतदान

मतगणनाः सभी राज्यों में 4 मई 2026 को एक साथ, गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी और शाम तक नतीजे आने की उम्मीद है। क्या करें अगर आपको शराब की जरूरत हो? इन पांच राज्यों में रहने वाले लोग कल शराब खरीद या परोस नहीं सकते। होटल या रेस्टोरेंट में भी सिर्फ नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स उपलब्ध होंगे। अगर कोई इमरजेंसी मेडिकल वजह है तो डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के साथ आबकारी विभाग से विशेष अनुमति ली जा सकती है (बहुत ही दुर्लभ मामलों में)। अन्य राज्यों के लोगों के लिए, अगर आप इन पांच राज्यों के बाहर हैं तो कल शराब की दुकानें और बार सामान्य समय के अनुसार खुली रहेंगी। कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं है। ड्राई डे सिर्फ पांच राज्यों तक सीमित है, लेकिन वहां रहने वाले लाखों लोगों को इसका पालन करना होगा।

# लखनऊ विश्वविद्यालय में तृतीय स्वर्गीय श्री गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट का समापन; न्यायमूर्ति राजीव भारती ने पेशेवर दक्षता पर दिया जोर

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में आज आयोजित एक भव्य समापन समारोह के साथ तृतीय स्वर्गीय श्री गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट, 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। देश भर के अग्रणी संस्थानों के उभरते हुए कानूनी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने वाले इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सिद्धांत और व्यावहारिक कानूनी कौशल के बीच समन्वय स्थापित करना था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच के माननीय न्यायमूर्ति राजीव भारती ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच के अधिवक्ता श्री शैलेन्द्र सिंह राजावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

व्यावहारिक शिक्षा का महत्व

समारोह की शुरूआत प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर के अभिभाषण से हुई, जिन्होंने प्रतिस्पर्धात्मक और शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में

नेशनल लॉ फेस्ट के महत्व पर प्रकाश डाला।

अपने मुख्य संबोधन में न्यायमूर्ति राजीव भारती ने आधुनिक कानूनी परिदृश्य में ऐसे मंचों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 'ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को कुशल और योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।' उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि एक छात्र से पेशेवर अधिवक्ता बनने के सफर के लिए प्रक्रियात्मक बारीकियों की गहरी समझ होना अनिवार्य है।

विशिष्ट अतिथि श्री शैलेन्द्र सिंह राजावत ने व्यावहारिक ज्ञान के मूल्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'व्यावहारिक ज्ञान' कानून के छात्रों के करियर को आकार देने में आधारशिला का काम करता है, जो उन्हें कानूनी पेशे की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करता है।

# यूपी में ठेकेदारों पर सख्ती, लापरवाही पर होंगे ब्लैकलिस्ट, सीएम योगी ने सभी डीएम को दिए सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गईं सड़कों को ठीक करने और गड्ढों को भरने के निर्देश दिए हैं।

सभी डीएम से कहा है कि जल जीवन मिशन के तहत खोदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। काम पूरा होते ही गड्ढों को तत्काल भरा जाए। अधिकारी खुद मौके पर जाकर इसके अनुपालन की स्थिति देखें।

काम समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुमार्ना लगाया जाए और उनको ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए।

### सड़क खोदकर छोड़ने की शिकायत

जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रदेश भर में गांव-गांव पाइप लाइन बिछाई गई है। इस दौरान बड़ी संख्या में सड़क को खोदकर छोड़ देने की शिकायतें हैं।

30 जनवरी को इन्हीं शिकायतों को लेकर भाजपा विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने महोबा में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के काफिले को रोक लिया था। यह मामला सुर्खियों में रहा था।

भाजपा के ही विधायकों-मंत्रियों ने ऐसे कई मामलों की शिकायतें की हैं, जिसके बाद सड़कों की मरम्मत का काम तेज किया गया है। अब वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार इस काम को जल्द से जल्द पूरा कराने की कोशिश में जुटी है।

### मुख्यमंत्री ने की थी उच्चस्तरीय बैठक

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की थी। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में डीएम, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खोदी गईं सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। इनको तत्काल भरवाना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जल समाधान पोर्टल पर आपूर्ति, लीकेज व खोदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने के भी निर्देश दिए हैं।

विभाग के अनुसार, प्रदेश में करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति या मरम्मत संबंधित शिकायतों के लिए लोग 18001212164 टोल फ्री नंबर पर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं।